

HRA an USIUN The Gazette of India

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग II—**युब्द 4** PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

#o 12] No. 12] नई बिल्ली, मंगलवार, नवस्थर 8. 1988/कार्तिक 17, 1919

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 8, 1988/KARTIKA 17, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ट संस्था वी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging Is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रक्षा मंत्रालय

प्रधिपु धनः

नं है विल्ली, 5 नर्बंबर, 1988

का. नि. मा. 13ई---राष्ट्रपनि, संविधान के अनुष्केद 309 के परंतुक द्वारा अवस समितनों का प्रयोग करने हुए रक्षा धनुषेत्रान और विकास संगठन (क्षनिष्ठ वैद्यानिक अधिकारों) अर्तो नियम. 1980 का और संगोधन करने के लिए निष्मकिश्वित नियम बनाते हैं, अर्थात:---

- ः.' (1) इत निवमों का संक्षिप्त नाम रक्षा प्रतुसंज्ञात और विकास संगठत (कनिष्ठ बैज्ञानिक श्रुश्रिक्ता) भन्नी (कान्य संगाजन) निषम, 1988 है।
 - (2) में राजपन्न में प्रकाशन को लाग्य की प्रवृत होंगे।
- 2. रक्षा धनुसंधान और विकास संगठत (क्राल्ड वैज्ञानिक प्रजिक्तारी) भर्सी नियम, 1980 को धनुष्यों में स्त्रंभ 11 में का प्रविष्टि के स्थान पर निम्मलिखित प्रविष्टि रखा जरगो, धर्यात:--
 - - (1) कोरमंन

10 সরিবর

(3) मृत्य न-स्थानकीस

namenta deservada entre el la caración de la la como presidente del como de la como de la como de la como de l

- 7 पतिगत
- (3) ज्योष्ट विज्ञातिक सहाय हो।
- 83 प्रतिग्रन

(2) पुनर्तियोजन: भूतपूर्व सैनिक जो कम में कम कनिष्ठ कमीशंक श्राफि,सर के रैंक के हैं और जिनके पास प्रत्येक मामले में श्रपेकान्सार मर्ती के समग्र बिनिर्दिश्ट किए जाते वाले प्रपेक्षित क्षेत्रों में प्रतुभव है। पुनर्तियोजन सिविल पद के प्रति निर्वेश से मधिवणिया की ग्राय तक (3) प्रतिनिध्वित पर स्थानांतरम जिनके अर्थन प्रत्यकालीन सैविदा भी है (केम्ब्रोय सरकार/राज्य सरकारों/विश्वविद्यालयों मान्यता प्राप्त धनुसंधान संस्थाओं/लोक-उपक्रमों/प्रश्नं सरकारो, कातुमी या म्बशासी संगठमों के प्रश्नोत ऐसे भ्रधिकारों जो सद्सपद धारण कर रहे हैं और जिनके पास प्रस्थेक मामले में यथेक्षानुपार भनी के समय विनिधिष्ट किए जाने वाले अपरेक्षित क्षेत्रों में अनुमंत है (कोडर प्रका के ऐने निमाणीय भवित रो, को प्रीक्रति की सीपी पंक्ति में हैं, प्रतितिशृक्ति पर नियुक्ति के तिए विचार किए जाने के पास नहीं होंगे। उसे प्रकार प्रतिनियुवि। किए मए व्यक्ति प्रोक्षति द्वारा नियुक्ति के रिए विकार किए जाने के पत्र सहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की भविध जिसके अंतर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी भ्रम्य संगठना विभाग में इन निय्वित के ठीह पहुने घारित हिसी झन्य काडर काहा पद पर प्रतिनियुषित की प्रजिध है, माधारण प्या लीन वर्ष से प्रधिक नहीं होगी।

टिष्पण : इपर (2) और (3) में विणित पत्न तियाँ द्वारा श्रयमके लिए श्रद्भावियों के पास निम्नलिखित वर्तृमाएं (प्रत्येक मामले में अपेकानुमार) होती शाहिए:--

 (क) किसी माजता प्राप्त विश्वविद्यालय से विज्ञान विषयों या गणिह या मतोविज्ञान में दिशी या समगुरुष।

या

(अ) जिसी माध्यता प्राप्त विकानियालय या संस्थान से इंजीनयरी या प्रीबोगिकी या बासु विकान या नक्षशानवासी या पुस्तकालय विकान किस्तोमा या नमसुरुय।

या

(ग) जिन्होंने भ्रष्ट्ययनका ऐसा पाठमकम वा प्रशिक्षण किया है जो महानिवेक्षक समुसंधान और विकास द्वारा ऊपर (क) मा (ख) मैं उप-दक्षित समेकाओं को पूरी करने वाली मानी बाए।

[तं० 07441 भार की कामिक 1/5061/ई (भारएंडडी)]

दुनी दास, ग्रनर शक्तिक

दिष्णणः भूम नियम भारत सरकार रक्षा, मंत्रालय की अधिश्रूचना सं का नि का 81 सारीख 23 फरवरी, 1980 द्वारा भारत के राजपत माण 2 खंड 4 में तारोज 8 मार्च, 1980 को प्रकासित हुए थे और बाद में खनका संशोधन निम्नतिखित द्वारा किया गया :--- ;

- (1) भारत संस्तार स्था मंत्रालय अधिमुन्ता सं. का ति. आ. 35 सारीख 11 फरनरी, 1981 में जी भारत के राजपत मान 2 संड 4 में सारीख 21 फरनरी, 1981 की प्रकाशित हुई।
- (2) भारत सेरकार, रक्षा मंत्रालंग, मधिसूचना संश्वाः निर्व हा. 186 तारीख 17 जून, 1985 जो भारत के राजपत्र भाग 2 खंड में तारीख 20 जुलाई 1985 की प्रकाशित हुई।
- (3) भाष्त संस्कार, रक्षा मंद्राज्ञय मधियूचना सं. का. नि. भा. 3-ई टारीख 14 मार्च, 1988।
- (4) भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय श्रीविष्यना सं.ना. नि. श्रा. 8 (ई) वारीख 26 जुलाई, 1988 जो भारत से राजपक्ष भाग 2 खंद 4 में तारीख 1 श्राप्तत, 1988 की प्रकाशित हुई।

MINISTRY OF DEFENCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1988

- S.R.O. 13-E.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Defence Research and Development Organisation (Junior Scientific Officer) Recruitment Rules, 1980, namely:—
- 1. (1) These rules may be called Defence Research and Development Organisation (Junior Scientific Officer) Recruitment (Third Amendment) Rules, 1988.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Defence Research and Development Organisation (Junior Scientific Officer).

Recruitment Rules, 1980, for the entry in column 11 the following entry shall be substituted, namely:—

- (1) Promotion: Foreman, Chief Draughtsman and Senior Scientific Assistant with five years regular service in the respective grade in the following ratio:
 - (i) Foreman

-10 per cent

(ii) Chief Draughtsman

-- 7 per cent

(iii) Senior Scientific Assistant

- 83 per cent

- (2) Re-employment: Ex-servicemen having a minimum rank of a Junior Commissioned Officer and possessing experience in the required areas to be specified at the time of recruitment according to requirement in each case (Re-employment upto the age of superannuation with reference to civil posts).
- (3) Transfer on deputation (including short term contract):

Officer under the Central Government|State Governments|Universities|Recognised Research Institutions|Public Undertakings|Semi-Government, statutory or autonomous organisations holding analogous posts and possessing experience in the required areas to be specified at the time of recruitment according to requirement in each case.

(The departmental officers in the feeder category who are in direct line of promotion shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation department shall ordinarily, not exceed three years.

Note: For selection by methods at (2) and (3) above the candidates should possess the following cational qualification (according to requirement in each case):

(a) Degree in Science subjects or Mathematics or Psychology of a recognised University or equivalent,

OR

(b) Diploma in Engineering or Technology or Metallurgy or Draughtsmanship or Library Science of a recognised University or Institute or equivalent.

OR

(c) has undergone such course of a study or training as may be deemed by the Director

General, Research and Development as fulfilling the requirements indicated in (a) or (b) above.

[No. 0744|RD|Pers-1|5061|D (R&D)]

DURGA DASS, Under Secretary

- Note:—The principal rules wer published in the Gazetto of India, Part II, Section 4 dated the 8th March, 1980, vide Notification of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O. 81 dated the 23rd February, 1980 and were subsequently amended by—
- (1) Notification of Government of India in Ministry of Defence S. R. O. 35 dated the 11th February,

- 1981 published in the Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 21st February, 1981.
- . (2) Notification of the Government of India in the Ministry of Defence S. R. O. 166 date. I the 17th June, 1985 published in the Gazette of India Part II, Section 4 dated the 20th July, 1985.
- (3) Notification of the Government of India in the Ministry of Defence S. R. O. 8-E dated the 14th March, 1988
- (4) Notification of the Government of India in the Ministry of Defence S. R. O. 8-E dated the 26th July, 1988 published in the Extraordinary Gazette of India, Part II, Section 4 dated the 1st August 1988.